उत्तराखण्ड शासन संस्कृत/स्व्यिमिक शिक्षा अनुमाग-4 संख्याः ५५ - के चि / XXIV-4/2009 देहरादून दिनांक 0.2-3/2009 अधिसूचना प्रकीर्ण

संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवत्त शक्ति का प्रयोग करके राज्यपाल उत्ताराखण्ड उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय परिनियमावली 2007 में संशोधन करने की दृष्टि से निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं:--

चत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय (प्रथम संशोधन) परिनियमावली 2009

 (1) इस परिनियमावली का नाम उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय (प्रथम संशोधन) परिनियमावली 2009 है।

(2) यह तुएन्त प्रवृत्त होगी।

 उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय परिनियमावली—2007 में स्तम्म —2 में दी गयी मदों के स्थान पर स्तम्म —03 में उल्लिखिल मदें एतद्द्वारा रख दी जायेंगी —

क0 स0	वर्तमान नियम		3	प्रतिस्थापित	त नियम	
01	44 नियम—4 का उपनियम 4.4 (भाग—1)प्राथमिक संस्कृत वि (प्रथम) (कक्षा —6 से 8 तक)	वैद्यालय	प्राथमिक संस्कृत तक)	विद्यालय	(प्रथमा)	(कक्षा–६ से

उर्वेत संशोधन से उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय परिनियमावली-2007 के भाग-1 में उल्लिखित नियम 4 का उपनियम 4.4 उपरोक्तानुसार संशोधित हो जायेगा।

0句 0形	वर्तमान नियम	प्रतिस्थापित नियम
01	(भाग-2 भर्ती का स्रोत) नियम-6 का उपनियम 8 सहायक अध्यापक (संस्कृत माध्यमिक विधालय-पूर्वमध्यमा/प्रथमा)- सीधी भर्ती	सहायक अध्यापक संस्कृत माध्यमिक व विद्यालय —उत्तर मध्यमा/पूर्व मध्यमा/प्रथमा)—सीधी भर्ती

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय परिनियमावली—2007 के भाग-2 में उत्लिखित नियम 6 का उपनियम 8 उपरोक्तानुसार संशाधित हो जायेगा।

क्र0 स0	वर्तमान नियम	प्रतिस्थापित नियम
01	(भाग-3) गुणवत्ता अंक नियम-7 का उपनियम 7.1 (ii) का बिन्दु 7 एंव 8 (7)प्रबन्ध और प्रशासन का अनुभव- 40अक (04 अंक प्रतिवर्ष) (8) पी०एच०डी०उपाधि — 20 अक	(७) प्रबन्ध और प्रशासन का अनुभव ३० अंक (०३ अंक प्रतिवर्ध) (८)पी०एच०डी०उपाधि हेतु निधारित गुणवत्ता अंक-३०

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय परिनियमादली-2007 के भाग-3 में उल्लिखित नियम 7 का उपनियम 7.1 (ii) का बिन्दु 7 एवं 8 उपशेक्तानुसार संशोधित हो जायेगा।

क्र राठ	वर्तमान नियम	प्रतिस्थापित नियम
01	(भाग-3 वयन समिति) नियम-7 का उपनियम 7.1 (iii) 1.सम्बन्धित प्रवन्धाधिकरण का प्रधान या उसके द्वारा नाम निर्देष्टि प्रबन्धाधिकरण का कोई सदस्य- समापति । 2- कुलपति, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा नामित एक अधिकारी- सदस्य । 3-प्रबन्धाधिकरण द्वारा नामित किसी सस्कृत महाविद्यालय का प्रधानाचाार्य-सदस्य ।	1.सम्बन्धित प्रयन्धाधिकरण का प्रधान या उसके द्वारा नाम निर्दिष्टि प्रयन्धाधिकरण का कोई सदस्य— समापति। 2— कुलपति, उत्तराखण्ड संस्कृत विस्वविधालय द्वारा नामित एक अधिकारी— सदस्य। 3—प्रबन्धाधिकरण द्वारा मामित किसी संस्कृत महाविद्यालय का प्रधानाचार्य—सदस्य। 4. निदेशक, संस्कृत शिक्षा द्वारा नामित एक राजपत्रित अधिकारी— सदस्य।

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय परिनियमावली-2007 के माग-3 में उल्लिखित नियम 7 का उपनियम 7.1 उपरोक्तानुसार संशोधित हो जायेगा।

) कं0 सं0	वर्तमान नियम	प्रतिस्थापित नियम
01	(भाग-3) गुणवत्ता अंक नियम-7 का उपनियम 7.2 (ii) का बिन्दु 7 एवं 8 (७)प्रबन्ध और प्रशासन का अनुभव	(7)प्रबन्ध और प्रशासन का अनुभव अधिकतम— 25 अंक (2.5 अंक प्रतिवर्ष)
	अधिकतम— ४० अक (०४ अंक प्रतिवर्ष) (8)पी०एच०डी०उपाधि हेतु निर्धास्ति गुणवत्ता अक—१०	(8)पी०एच०डी०उपाधि हेतु निर्धारित गुणदत्ता अक-25

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय परिनियमावली-2007 के माग-03 में उल्लिखित नियम 7 का उपनियम 7.2 (ii) का बिन्दु 7 एवं 8 उपरोक्तानुसार संशोधित हो जायेगा।

(vi) (求i) 刊0	वर्तमान नियम	प्रतिस्थापित नियम
01	(भाग-3) चयन समिति नियम-7 का उपनियम 7.2 (iii) 1.सम्बन्धित प्रबन्धाधिकरण का प्रधान या उसके द्वारा नान निर्दिष्टि प्रबन्धाधिकरण का कोई सदस्य- समापति। 2-प्रबन्धाधिकरण द्वारा नामित किसी संस्कृत महाविद्यालय का प्रधानाचार्य-सदस्य। 3-जिलाधिकारी द्वारा नामित समूह "क" का एक राजपत्रित अधिकारी	 सम्बन्धित प्रबन्धाधिकरण का प्रधान उसके द्वारा नाम निर्दिष्टि प्रबन्धाधिकरण का कोई सदस्य— समापति। निदंशक संस्कृत शिक्षा द्वारा नामित एक राजपत्रित अधिकारी –सदस्य। कुलपति, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा नामित एक अधिकारी– सदस्य। प्रबन्धाधिकरण द्वारा नामित किसी संस्कृत महाविद्यालय का प्रधानायार्थ—सदस्य।

उस्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय परिनियमावली-2007 के भाग-03 में उल्लिखित नियम 7 का उपनियम 7.2 (iii) में बिन्दु सं0 3 उपरोक्तानुसार संशोधित हो जायेगा।

(vii) क्रिं0 वर्तमान नियम	प्रतिस्थापित नियम
ा स्त0 01 (भाग-3) गुणवत्ता अंक नियम-7 का उपनियम 7.3 (ii) का बिन्दु- 7 एवं 8 (7)प्रबन्ध और प्रशासन का अनुभव -04 अक प्रतिवर्ष अधिकतम- 20 अंक (8) पी०एच०डी०उपाधि हेतु निर्धारित गुणवत्ता अंक-15	(7)प्रबन्ध और प्रशासन का अनुभव अधिकतम अधिकतम – 15 अंक (2.5 अंक प्रतिवर्ष) (8) पी०एच०डी०उपाधि हेतु निर्धारित गुणवत्ता अक-20

उस्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय परिनियमावली-2007 के भाग में उल्लिखित नियम 7 का उप नियम 7.3 (ii) का बिन्दु 7 एवं 8 उपरोक्तामुसार संशोधित हो जायेगा।

क्रं0 सं0	वर्तमान नियम	प्रतिस्थापित नियम
01	(भाग-3) धयन समिति नियम-7 का उपनियम 7.3 (iii) 1.—सम्बन्धित प्रबन्धाधिकरण का प्रधान या उसके द्वारा नाम निर्दिष्टि प्रबन्धाधिकरण का कोई सदस्य संभापति। 2.—प्रबन्धाधिकरण द्वारा नामित किसी संस्कृत महादिद्यालय का प्रधानाचार्य-सदस्य। 3.—जिलाधिकारी द्वारा नामित एक सजपत्रित अधिकारी- सदस्य।	 सम्बन्धित प्रबन्धाधिकरण का प्रधान या उसके द्वार नाम निर्दिष्टि प्रबन्धाधिकरण का कोई सदस्य- सभापति। निदेशक संस्कृत शिक्षा द्वारा नामित एक राजपत्रित अधिकारी— सदस्य। कुलपति, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय द्वार नामित एक अधिकारी— सदस्य। प्रबन्धाधिकरण द्वारा नामित किसी संस्कृत महाविद्यालय का प्रधानाचार्य—सदस्य।

जलाराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय परिनियमावली-2007 के माग-03 में में जिल्लेखित नियम 7 का उपनियम 7.3 (iii) उपरोक्तानुसार संशोधित हो जायेगा।

ix) あo No	वर्तमान नियम	प्रतिस्थापित नियम
01	(भाग-3) गुणवत्ता अंक नियम? का उपनियम 7.4 (ii) का बिन्दु - 6 एवं ? 6. शास्त्री / आचार्य अध्या माध्यमिक कक्षाओं का अध्यापन अनुभव- 45 (03 अंक प्रतिवर्ष) 7. पीठएच०डी० / एभ०फिल० उपाधि हेतु निधारित गुणवत्ता अंक- 20	त. शास्त्री/आचार्य अथवा मान्यमिक कक्षाओं का अध्यापन अनुमव गुणवत्ता के अधिकतम अंक — 30 (03 अंक प्रतिवर्ष) 7.पी०एच०डी०/एम०फिल० उपाधि हेनु निधांरित गुणवत्ता के अधिकतम अंक— 35

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय परिनियमावली-2007 के भाग में उल्लिखित नियम 7 का उपनियम 7,4 (ii) का बिन्दु 6 एवं 7 उपरोक्तानुसार संशोधित हो जायेगा।

क्र0 सं0	वर्तमान नियम	प्रतिस्थापित नियम
	(भाग-3) चयन समिति नियम-7 का उपनियम 7.4 का बिन्दु iii 1.—सम्बन्धित प्रयन्धाधिकरण का प्रधान या उसके द्वारा नाम निर्दिष्टि प्रबन्धाधिकरण का कोई सदस्य— सभापति। 2.— सम्बन्धित विद्यालय का प्रधानाचार्य—सदस्य। 3. जिलाधिकारी द्वारा नामित एक राजपत्रित अधिकारी— सदस्य।	1.—सम्बन्धित प्रबन्धाधिकरण का प्रधान या उसके द्वार नाम निर्देष्टि प्रबन्धाधिकरण का कोई सदस्य- समापति। 2- निर्देशक संस्कृत शिक्षा द्वारा नामित एक राजपत्रित अधिकारी— सदस्य 3- कुलपति, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा नामित एक अधिकारी सदस्य। 4- सम्बन्धित विद्यालय का प्रधानाच्यार्य— सदस्य।

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय परिनियमावली—2007 के भाग में उल्लिखित नियम 7 का उपनियम 7.4 (iii) उपरोक्तानुसार संशोधित हो जायेगा।

) o दर्तमान नियम o	प्रतिस्थापित नियम
01 (भाग-3) गुणवत्ता अंक नियम-7 का उपनियम 7.5 (ii) व बिन्दु 6 एवं 7	(02 अंक प्रतिवर्ष)
6.अध्यापन अनुभव अधिकतम् अक 45 (03 अंक प्रतिवर्ष)	7, पीठएच०डी०/एम०फिल० उपाधि हेतु निर्धारित गुणवल्ता के अधिकतम अंक- 25
7. पी०एव०डी० / एम०फिल० उपाधि हेतु निर्धारित गुणवत्ता अंक— 10	

उत्ताराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय परिनियमावली-2007 के भाग में उत्लिखित नियम 7 का उपनियम 7.5 (ii) का बिन्दु 6 एवं 7 उपरोक्तानुसार संशोधित हो जायेगा।

ii) 郊で でio	वर्तमान नियम	प्रतिस्थापित नियम
01	(भाग-3) चयन समिति नियम-7 का उपनियम 7.5 (iii)	1.—सम्बन्धित प्रबन्धाधिकरण का प्रधान या उसके द्वारा नाम निर्दिष्टि प्रबन्धाधिकरण का कोई सदस्य- सभापति।
	।.—सम्बन्धित प्रबन्धाधिकरण का प्रधान था•उसके द्वारा नाम निर्दिष्टि प्रबन्धाधिकरण का कोई सदस्य— सभापति। 2.—सम्बन्धित विद्यालय का प्रधानाचार्य—सदस्य। 3.—जिलाधिकारी द्वारा नामित एक राजपत्रित अधिकारी— सदस्य।	2- निदेशक संस्कृत शिक्षा द्वारा नामित एक राजपत्रित अधिकारी- सदस्य। 3- कुलपति, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा नामित एक अधिकारी- सदस्य। 4- सम्बन्धित विद्यालय का प्रधानाचार्य- सदस्य।

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय परिनियमावली-2007 के भाग-03 में उत्लिखित नियम 7 का उपनियम 7.5 (iii) उपरोक्तानुसार संशोधित हो जायेगा।

aiii) कंo वर्तमान नियम संo	प्रतिस्थापित नियम
01 (भाग-3) शैक्षिक योग्यता नियम-7 का उपनियम 7.8 का बिन्दु (i) (एक) सम्बद्ध विषय में प्रथम या उच्च द्वितीय श्रेणी में स्नातक उपाधि: (उच्च द्वितीय श्रेणी में उपाधि का अर्थ सुसंगत उपाधि में न्यूनतम 55 % प्राप्तांक से हैं और अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जन जाति के अभ्यर्थियों के लिए न्यूनतम 50 % प्राप्तांक से हैं।)	7.6 (i) (एक) सम्बद्ध विषय में कम से कम स्नातक उपाधि में 45 प्रतिशत प्राप्तांक और अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिये न्यूनतम 40 प्रतिशत प्राप्तांक।

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय प्रिनियमावली-2007 के भाग में उत्लिखित नियम 7 का संपनियम 7.6 (i) उपरावतानुसार संशोधित हो जायेगा।

xiv) 郊O HO	वर्तमान नियम	प्रतिस्थापित नियम
01	(भाग-3) चयन समिति नियम-7 का उपनियम 7.6 (iii)	 सम्बन्धित प्रबन्धाधिकरण का प्रधान या उसके द्वारा नाम निर्दिष्टि प्रबन्धाधिकरण का कोई सदस्य-
	्र.—सम्बन्धित प्रयन्धिकरण का प्रधान या उसके द्वारा नाम निर्दिष्टि प्रयन्धाधिकरण का कोई सदस्य- सभापति। 2.—सम्बन्धित विद्यालय का प्रधानाचार्य—सदस्य। 3.—जिलाधिकारी द्वारा नामित एक राजपञ्जित अधिकारी— सदस्य।	सभापति। 2- निदेशक संस्कृत शिक्षा द्वारा नामित एक राजपंत्रिय अधिकारी- सदस्य। 3- कुलपंति, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा नामित एक अधिकारी- सदस्य। 4- सम्बन्धित विद्यालय का प्रधानाचार्य-सदस्य।

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय परिनियमावली-2007 के भाग में उत्लिखित नियम 7 का उपनियम 7.6 (iii) का बिन्दु 3 उपरोक्तानुसार संशोधित हो जायेगा। (38)

cho

वर्तमान नियम

प्रतिस्थापित नियम

संव (भाग-3 चयन प्रक्रिया) नियम-8 का उपनियम 8.3 का बिन्द् (事)

> (क) प्रवन्धतंत्र द्वारा भरी जाने वाली रिवित्तयों की संख्या आरक्षित वर्गे की रिक्तियों सहित अवधारित कर लिए जाने तथा मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक, विद्यालयी शिक्षा से विज्ञापन की अनुमति प्राप्त करने के पश्चात संस्था के प्रबन्धक द्वारा कम देनिक 31 एस समाधार-पत्रों में जिनका राज्य में व्यापक परिचलन हो. यद विद्यापित सूधी मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक. जायंगी। विज्ञापन में रिक्तियों अरथायी) तथा रिक्तियों की संख्या, (अथात विवरण या प्रधानाध्यापक / प्रवक्ता या सहायक प्रवक्ता सहायक अध्यापक तथा ऐसा या ऐसे विषय जिसमें या जिनमें अध्यापक की आवश्यकता हो) वेतन और अन्य मत्ते, अपेक्षित अनुभव पद के लिए विहित न्यूनतम, आरक्षण आदि के सम्बन्ध में विवरण दिए गए अन्तिम दिनाक (जो साधारणतया विज्ञापन के दिनांक से तीन सप्ताह से कम न होना चाहिए) विहित किया जायेगा जिस पर अभ्यर्थियों द्वारा विहित प्रपत्र में सम्बक् रूप से पूर्णतया भरे गए आवेदन-पन्न केवल पंजीकृत डाक से पोस्ट ऑफिस के माध्यम से मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक के कार्यालय में प्राप्त किये जायेंगे।

(क) प्रबन्धतंत्र द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आरक्षित वर्ग की शिवितयों सहित अवधारित कर लिए जाने तथा निदेशक, संस्कृत शिक्षा, निदेशालय सं विज्ञापन की अनुमति प्राप्त करने के पश्चात् संस्था के प्रवस्तक द्वारा कम से कम दो ऐसे दैनिक समाचार-पत्रों में व्यापक परिचलन हो, पद में जिनका राज्य विज्ञापित किये जायेंगे। समाचार-पत्रों की सूपी निदेशक, संस्कृत शिक्षा, निदेशालय, की रवीकृति के उपरान्त निर्धारित की जायेगी। विज्ञापन में रिवित्तयों के प्रकार (अर्थात् स्थायी है या अस्थायी) तथा रिक्तियों की संख्या, पद का विवरण (अर्थात प्रधानध्यापक / प्रधानाचार्य या प्रवक्ता या सहायक प्रवक्ता या सहायक अध्यापक तथा ऐसा या ऐसे विषय जिसमें या जिनमें अध्यापक की आवश्यकता हो) वेतन और अन्य भत्ते, किये जायेंगे। समाचार-पत्रों की अपेक्षित अनुभव पद के लिए विहित न्यूनतम, आरक्षण आदि के सम्बन्ध में विवरण दिए गए हों और अन्तिम की स्वीकृति के उपसन्त निर्धारित दिनांक (जो साधारणतया विज्ञापन के दिनांक से तीन सप्ताह से कम न होना चाहिए) विहित किया जायेगा के प्रकार (अर्थात् स्थायी है या जिस पर अञ्चर्थियों द्वारा विहित प्रपन्न में सम्यक् रूप से पूर्णतया भरे गए आवेदन-पन्न केवल पंजीकृत डाक से पोस्ट ऑफिस के माध्यम से निदेशक, संस्कृत शिक्षा, निदेशालय के कार्यालय में प्राप्त किये जायेंगे।

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय परिनियमावली-2007 के भाग -3 उल्लिखित नियम 8 का उपनियम 8.3 (क) उपरोक्तानुसार संशोधित हो जायेगा।

vi) क्र0	वर्तमान नियम	प्रतिस्थापित नियम
स 0	(भाग-3 चयन प्रक्रिया) नियम-8 का उपनियम 8.3 का बिन्दु (ग) (ग) किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा दिए गए आवेदन-पत्र को, जो संस्था में नियोजित हो और अन्यत्र या उसी संस्था में किसी पद के लिए आवेदन कर एहा हो, नियोजक द्वारा सम्बन्धित मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक, को मेज दिया जायेगा।	

उत्ताराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय परिनियमावली-2007 के भाग-03 में उल्लिखित नियम 8 का उपनियम 8.3 (ग) उपरोक्तानुसार संशोधित हो जायेगा।

(xvii) प्रतिस्थापित नियम वर्तमान नियम sh() eio. (घ) प्राप्त किए गए आवेदन-पत्र संस्कृत शिक्षा, 01 (भाग-3 चयन प्रक्रिया) निदेशालय के कार्यालय के रजिस्टर में क्रमानुसार नियम-८ का उपनियम 8.3 (घ) (घ) प्राप्त किए गए आवेदन-पत्र संख्यांकित और प्रविष्ट किए जायेंगे और उनकी मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक, के सन्निरीक्षा करने के पश्चात अन्यर्थियों के विवरण कार्यालय के रजिस्टर में क्रमानुसार प्रत्येक अभ्यर्थी द्वारा गुण-विषयक प्राप्तांकों के साथ संख्यांकित और प्रविष्ट किए जायेंगे समुचित स्तम्भों के अन्तर्गत दर्ज किए जायेंगे। प्रत्येक और उनकी सन्निरीक्षा करने के अभ्यर्थी के गुण-विषयक अंक अभिकथित मानदण्ड के संस्कृत शिक्षा, पश्चीत् अन्यर्थियौ के विवरण प्रत्येक अन्तर्गत अधिमानतया निदेशक, अभ्यर्थी द्वारा गुण--विषयक प्राप्ताकों के निवेशालय द्वारा इस प्रयोजन के लिए नियुक्त किए साथ समुचित स्तम्भों के अन्तर्गत दर्ज गए कार्यस्त शिक्षा विभाग के राजपत्रित अधिकारियों या किए जायेंगे। प्रत्येक अभ्यर्थी के प्रधानाचार्यों द्वारा दिये जायेंगे और इसकी जोंच गुण-विषयक अंक अभिकश्चित मानदण्ड निदेशक, संस्कृत निदेशालय के कार्यालय था उसके अन्तर्गत अधिमानतया मण्डलीय द्वारा विभाग के इस निमित्त प्राधिकृत किसी अधिकारी अपर शिक्षा निदेशक, द्वारा इस द्वारा की जायेगी। इन आवेदन पत्रों को विज्ञापन के प्रयोजन के लिए नियुक्त किए गए आवेदन पत्र प्राप्ति के लिए विज्ञापित अंतिम दिनांक से पाँच दिन की समादि। के पश्चात् प्रबन्ध तंत्र हारा तीन कार्यस्त शिक्षा विभाग के राजपत्रित दिन के भीतर निदेशक, संस्कृत शिक्षा, निदेशालय के अधिकारियों या प्रधानाचार्यों हारा दिये। कार्यालय से संस्था के प्रवन्त्रक के माध्यम से संग्रहीत जायेंगे और इसकी जॉच मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक, के कार्यालय या किया जायेगा। ऐसा न करने पर निदेशक, संस्कृत शिक्षा, निदेशालय आवेदन पत्रों को सम्बन्धित संस्था के उसके द्वारा विभाग के इस निमित्त प्राधिकृत किसी अधिकारी द्वारा की प्रबन्धक को भिजवा देगा। प्रबन्धतंत्र भी इसी प्रकार का जायेगी। इन आवेदन पत्रों को विज्ञापन एक रजिस्टर रखेगा तथा उसमें अभ्यर्थियों के गुण के आवेदन पत्र प्राप्ति के लिए विषयक प्राप्तांकों का विवरण अंकित करायेगा। विज्ञापित अंतिम दिनांक से पाँच दिन

की समाप्ति के पश्चात प्रबन्ध तंत्र द्वारा तीन दिन के भीतर मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक के कार्यालय से संस्था के प्रबन्धक के माध्यम से संग्रहीत किया जायेगा। ऐसा न करने पर मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक, आवेदन यत्रों को सम्बन्धित संस्था के प्रबन्धक को भिजवा देगा। प्रबन्धतत्र भी इसी प्रकार का एक रिजस्टर रखेगा तथा उसमें अभ्यर्थियों के गुण दिवयक प्राप्ताको का विवरण अंकित कसयेगा।

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय परिनियभावली-2007 के भाग-03 में उल्लिखित नियम

८ का उपनियम ८.३ (६) उपरोक्तानुसार संशोधित हो जायेगा।

किं। वर्तमान नियम रां। वर्तमान नियम वर्तमान नियम वर्तमान अक्ष्म प्रक्रिया) नियम अक्ष्म उपनियम अ.३ का बिन्दु आ (छ) (छ) वयन समिति हारा वयन गुः गुण-विषयक अंकों के आवार पर स किया जायेगा। किसी पद के लिए स समी अन्यर्थियों के समस्त स प्रमाण-पत्रों की जींच तथा गुणाक दि का सत्यापन कर लिए जाने के य परवात वयन समिति का समापति व या तो स्वयं उसके किसी अन्य प्र सवस्य द्वारा किए गए वयन की स कर्म्यवाडियों के सम्बन्ध में एक कर्म्यवाडियों के सम्बन्ध में एक कर्म्यवाडियों के सम्बन्ध में एक कर्म्यभा जिसमें वयनित किये गये अभ्यर्थी के नाम के साथ योग्यता क्रम में तैयार की गयी सूची तथा प्रतीक्षा सूची के दो अन्य अन्यर्थियों के नाम दिए जायेंगे। इस प्रकार सैयार की गई दिप्पणी पर चयन समिति को समापति और अन्य सदस्यों हास हस्ताक्षर किए जायेंगे जिसमें उनका पूरा नाम, पदनाम, और दिनांक दिया जायेगा। इस कार्यवृत्त की प्रति सम्बन्धित मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक, को	(xvii	(i)	
(भाग-3 चयन प्रक्रिया) नियम-8 का उपनियम 8.3 का बिन्दु आ (छ) (छ) चयन समिति द्वारा चयन पुण-विषयक अंकों के आधार पर स किया जायेगा। किसी पद के लिए स क्षिय अन्यर्थियों के समस्त स प्रमाण-पत्रों की जींच तथा गुणांक दि का सत्यापन कर लिए जाने के य परचात वयन समिति का समापति या तो स्वयं उसके किसी अन्य प्र सदस्य द्वारा किए गए वयन की स कर्मवाहियों के सम्बन्ध में एक कार्यवाहियों के सम्बन्ध में एक कार्यवाहियों के सम्बन्ध में एक कार्यवाहियों के नाम के साथ योग्यता क्षम् में तैयार की गयी सूची तथा प्रतीक्षा सूची के दो अन्य अन्यर्थियों के नाम दिए जायेंगे। इस प्रकार तैयार की गई टिप्पणी पर चयन समिति के समापति और अन्य सदस्यों द्वारा इस्ताक्षर किए जायेंगे जिसमें उनका पूरा नाम, पदनाम, और दिमांक दिया जायेगा। इस कार्यवृत्त की प्रति सम्बन्धित मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक, को	क्रांठ	वर्तमान नियम	
पण-विषयक अंकों के आधार पर स किया जायेगा। किसी पद के लिए स सभी अन्यर्थियों के समस्त स प्रमाण-पत्नों की जाँच तथा गुणांक कि का सत्यापन कर लिए जाने के य पश्चात वयन समिति का समापति व या तो स्वयं उसके किसी अन्य प्र स्वस्य द्वारा किए गए वयन की कार्यवृत्त दो प्रतियों में तथार करायेगा जिसमें वयनित किये गये क अभ्यर्थी के नाम के साथ यांग्यता क्रम में तैयार की गयी सूची तथा प्रतीक्षा सूची के दो अन्य अभ्यर्थियों के नाम दिए जायेंगे। इस प्रकार तैयार की गई टिप्पणी पर चयन समिति के समापति और अन्य सादस्यों हारा हस्ताक्षर किए जायेंगे जिसमें उनका पूरा नाम, पदनाम, और दिनांक दिया जायेगा। इस कार्यवृत्त की प्रति सम्बन्धित मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक, को	01	(भाग-3 चयन प्रक्रिया) नियम-8 का उपनियम 8.3 का बिन्दु (छ)	3F
और दिनांक दिया जायेगा। इस कार्यवृत्त की प्रति सम्बन्धित मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक, की		(छ) वयन समिति हारा चयन गुण-विषयक अंकों के आधार पर किया जायेगा। किसी पद के लिए सभी अन्यर्थियों के समस्त प्रमाण-पत्रों की जॉय तथा गुणांक का सत्यापन कर लिए जाने के पश्चात वयन समिति का समापति या तो स्वयं उसके किसी अन्य सदस्य द्वारा किए गए ययन की कर्म्यवाहियों के सम्बन्ध में एक कार्यवाहियों के नाम के साथ योग्यता क्रम में तैयार की गयी सूची तथा प्रतीक्षा सूची के दो अन्य अन्यर्थियों के नाम दिए जार्येगे। इस प्रकार समिति के समापति और अन्य समिति के समापति और अन्य सादस्यों हारा हस्ताक्षर किए जार्येगे	明明時代記事以来所以中
A STATE OF THE STA		और दिनांक दिया जायेगा। इर कार्यवत्त की प्रति सम्बन्धिः	1

प्रतिस्थापित नियम

(छ) ययन समिति द्वारा ययन गुण-दिषयक अंकों के आधार पर किया जायेगा। किसी पद के लिए सभी प्रभ्यर्थियों के समस्त प्रमाण-पत्रों की जॉच तथा गुणांक का सत्यापन कर लिए जाने के पश्यात वयन समिति का समापति या तो स्वयं उसके किसी अन्य सदस्य द्वारा किए गए चयन की कार्यवाहियों के सम्बन्ध में एक कार्यवृत्त दो प्रतियों में तैयार करायेगा जिसमें वयनित कियें गये अभ्यर्थी के नाम के साध योग्यता क्रम में तैयार की गयी सूची तथा प्रतीक्षा सूची के वो अन्य अभ्यर्थियों के नाम दिए जायेंगे। इस प्रकार तैयार की गई टिप्पणी पर धयन समिति के सभापति और अन्य सदस्यों द्वारा हस्ताक्षर किए जायेंगे जिसमें उनका पुरा नाम, पदनाम, और दिनांक दिया जायंगा। इस कार्यवृत्ता की प्रति सम्बन्धित निदेशक, संस्कृत शिक्षा, निवेशालय को भेजी जायेगी।

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय परिनियमावली-2007 के भाग-03 में उल्लिखित नियम भंजी जायेगी।

B का उपनिथम 8.3 (छ) उपरोक्तानुसार संशोधित हो जायेगा।

(VIV фO.

वर्तमान नियम

प्रतिस्थापित नियम

OFF

३१ (भागः ३ चयन प्रक्रिया) नियम-8 का उपनियम 84 का बिन्दू (1,

> यदि वे यह अनुभव करें कि किसी अभ्यर्थी को किसी ब्रटि या चुक के आबद्धकर होगे। फलस्वरूप विधि संगत अवसर से विचित एएक गया है तो वे मामले के पूरे ब्यारे के साथ मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक का सचित करेगे। यदि मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक का यह समाधान हो जाय कि इससे चयन की कार्यवाहिया। द्घित हो गयी हैं तो वह चयन की कार्यवाहियों को अकृत और शून्य घोषित कर देगा और ऐसे मामली में फिर से अयम अरने के लिए आदेश देगा। इस सब्ध मे मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक के आदश अन्तिम और सगी सबधित , त्यविसयों के लिए आबद्धकर होगे।

(*) 1, . ि उपरिशत सदस्यों का यह कर्तव्य होगा कि वे चयन से । सबधित सभी कागज पत्रों की छान-बीन कर और विशेष रूप से यह परीक्षण करें कि किसी अभ्यर्थी को (1) किसी संस्था के प्रधान या ऐसे अवसर से वचित तो नहीं रखा गया जो उसे उचित अध्यापक के वयन में उपस्थित रीति से मिलना चाहिए था। वे परिशिष्ट 'क' मे विवरण सदस्यों का यह कर्तव्य होगा कि वे में यथा प्रस्तावित चयन की कार्यवाहियों में इस आशय द्ययम से संबंधित सभी । 🖫 🗥 🗀 🔭 🗥 क्षणाज-पत्री की छान-बीन कर। किसी अभ्यर्थी को किसी शुटि या चूक के फलस्टरूप और विशंष रूप से यह परीक्षण विधि सगत अवसर से दचित रखा गया है तो दे मामल करें कि किसी अभ्यर्थी को एस के पूरे छोरे के साथ निदेशक, संस्कृत शिक्षा अवसर से बवित तो नहीं रखा निदेशालय को सूचित करेगे। यदि निदेशक, संस्कृत गया जो उसे उचित रीति से शिक्षा, निदेशालय का यह समाधान हो जाय कि इसस मिलना बाहिए था। वे परिशिष्ट दयन की कार्यवाहिया दुषित हो गयी हैं तो वह चयन क' में विकरण में यथा प्रस्तावित कि कार्यवाहियों को अकृत और शून्य घोषित कर देगा चयन की कार्यवाहियों में इस और ऐसे मामलों में फिर से चयन करने के लिए आदेश आशय का एक प्रमाण-पत्र देगे। दगा। इस सबध में निदेशक, संस्कृत शिक्षा, निदेशालय v + + 1 + + 1 + + .

A TOTAL N. का उपनियम 8.4 (1) उपरोक्तानुसार संशोधित हो आयेगा। (xx)360

वर्तमान नियम

प्रतिस्थापित नियम

स० 01

(भाग-3 चयन प्रक्रिया)

+ 1 114 1977 7 9

र ४ अवस्त रव क्री सा अवधि तक सुरक्षित रखे जायेंगे ' जैसा कि विहित की जाये और मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक को 1v+ > 57v j, +2 +1 , , प्रस्तृत किए जायेगे।

(2) चयन से रखित सभी आवेदन पत्र, कागज एत्र नियम- 8 क' उपनियम 8 4 का बिन्द् और रिजस्टर प्रबन्धतन्त्र द्वारा उतनी अवधि तक स्रक्षित रखे जायंगे जैसा कि विहित की जाये और (2) 🕡 से 👵 त 🚅 निदेशक संस्कृत शिक्षा निदेशालय 📑 😴 🕾 2. . . 4 4x T Tr TTT

1722 - 1 . Fre का उपनियम 84 (2) उपराक्तान्सार संशोधित हो जायेगा ।

(xxi)270

वर्तमान नियम

प्रतिस्थापित नियम

संव

01 (भाग--3 चयन प्रक्रिया) नियम-8 का उपनियम 8.7 का बिन्द (1)

> (1) घयन समिति की सिफारिश और सम्बन्धत मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक का अनुमोदन प्राप्त होने के पन्दह दिन के भीतर प्रबन्धक पाधिकार पर अभ्यर्शी को परिशिष्ट ख' में दिए गए प्रपन्न मे रिजर्रहोक्त डाक द्वारा नियुक्ति का आदेश जारी करेगा जिसमें अभ्यर्थ से ऐसे आदश की प्राप्त से दस दिन के भीतर कार्यमार ग्रहण करने की अपंक्षा की जायेगी। कार्यभार ग्रहण न करने पर अभ्यर्थी की नियुक्ति रदद की जा सकगी।

(1) निदेशक सरकृत शिक्षा निदेशालय । ३ । 🛪 🕕 हाने के पन्दह दिन के भीतर प्रबन्धक प्रबन्ध समिति के सकल्प के अधीन प्राधिकार पर अभ्यर्थी को परिशिष्ट ख' में दिए गए प्रपत्र में रिजस्ट्रीकृत डाक हारा नियुक्ति का आदश जारी करेगा जिसमें अध्यर्थी से ऐसं अप्देश की प्राप्ति से दस दिन के भीतर कार्यभार ग्रहण करने की अपक्षा की जायेगी। कार्यभार ग्रहण न करने प्रबन्ध समिति के संकल्प के अधीन पर अभ्यर्थी की नियक्ति रदद की जा सकेगी।

नेपम 8 का रमण्डर, १९९८ । विश्वतिकार क्रिनियुक्तार (2007), कार्म उपनियम 8.7 (1) उपरोक्तानुसार सशोधित हो जायेगा

(IIXI)प्रतिस्थापित नियम वर्तमान नियम க் ₹10 (2) खण्ड (1) में निर्दिष्ट प्रत्येक आदंश की एक प्रांते 01 (भाग-3 चयन प्रक्रिया) नियम 8 का उपनियम 8.7 का बिन्द निदेशक, संस्कृत शिक्षा, निदेशालय को भेजी जायेगी। · Property of i'' ्र ग'' मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक को भेजी जायेगी। **उत्तराखण्ड संस्कृत ि,** में ार प्रारेगा। १८०४ में ति नियम 8 т पनियम в.7 (2) उपराक्तानुसार सशाधित हो जायेगा। (inzz) प्रतिस्थापित नियम वर्तमान नियम sh() 019 (ख) ऐसी सरथा की प्रवन्ध समिति संबंधित प्रधानाचार्य / (भाग-3 पदोन्नति) नियम-९ का उपनियम ९.१ का बिन्दु प्रधानाध्यापक की पदोल्लित का प्रस्ताव निदेशक सस्कृत शिक्षा, निदेशालय को उसकी सहगति के लिए (ख) ऐसी सरथा की प्रवन्ध समिति प्रस्तृत करेगी। सर्वाधेत प्रधानाचार्यः / प्रधानाध्यापक की पदोन्नति का प्रस्ताव मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक को उसकी । सहमति के लिए प्रस्तृत करेगी। (XEZ) वर्तमान नियम प्रतिस्थापित नियम (d) €H0 निर्देशक संस्कृत शिक्षा निर्देशालय अ प्रस 01 (भाग-3 प्रदोन्नति) नियम-9 का उपनियम 9. 1 1 (घ) पर अपना विनिष्ट्य उसकी प्राप्त के दिनाक से एक माह (ध) मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक के भीतर संसूचित करेगा, ऐसा न करने पर यह समझा ऐसे प्रस्ताव पर अपना विनिश्चम जायेगा कि **निदेशक, संस्कृत शिक्षा निदेशालय** ने ऐसे रसकी प्रापत के दिनाक से एक प्रस्ताव पर अपनी सहमति दें दी है गाह के भीतर संसचित करेगा, ऐसा न करने पर यह समझा आयेना कि मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक ने ऐसे प्रस्ताव पर अपनी सहमति दे दी

ारका रूपा विष्य का स्थापन का एक एक एक एक विषय अपनियम अपनिय

```
(11)
          वर्तमान नियम
                                          प्रतिस्थापित निधम
 di'O
 OF.
                                        ा स्ट्रंट विदेशक अस्कृत शिक्षा
 01 (भाग 3 पदान्नति)
                                        र्ने ल , प्रदूर समिति तर ६७ व है।
                             निदेशम्लय
    नियम 9 का उपनिद्यम 9 1 का
                                       , क्षेत्री विस्ताप
    बिन्द् (1) (ड)
    (ड) १,१५ द ।
    मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक का
    विनिश्त्तय प्रबन्ध समिति को और।
    संबंधित प्रधानाध्यापक को भी
    . [ ] (7)
        * hand fift a tap to
    1 Haar E 30 (1)
(xvi)
                                           प्रतिस्थानित नियम
            वर्तमान निद्यम
 sh0
 स०
                              ह्यो निद्धांक सरकत शिक्षा निद्धालय । 🔭 🕟
 01 (भाग 3 पदी-नित)
    नियम 9 का उपनियम 9 1 का बिन्धू 🔭 । 🔩 🦠 😘 🕟 🙃 🕠 📆
                              (1) (1)
                               n o 11 th the first
    (च) मन्ड्रानीय अपर शिक्षा निदेशक
                              निदेशक संस्कृत शिक्षा 🕠 🕝 🔻
    4, c 31 r F
                              किसका विनिश्चय उस मामले में अतिम होगा।
    जिसके अन्तर्गत प्रबन्ध समिति भी है,
    सप ख़ण्ड (ड) के अधीन आदेश के।
    संस्थित किए जाने के दिनाक से
   दस दिन के भीतर उसके विरुद्ध।
    निदेशक को अभ्यावेदन कर सकता
    है जिसका विनिश्चय उस मामले मे
    अतिम होगा।
```

(XV क्रांध	वर्तमान नियम	प्रतिस्थापित नियम
村 00001	(भाग-3 पदोन्नति) नियम-9 का उपनियम 9. 2 (ii) का बिन्दु 4 4. किसी ऐसे अध्यापक के सबंध में जिसका इन विनियमों के अनुसार पदोन्नति द्वारा नियुक्ति के लिए वयन किया गया है, संस्था का प्रबन्ध ऐसी नियुक्ति के सम्बन्ध में प्रबन्ध समिति द्वारा पारित किए यए संकल्प के दिनांक से एक सप्ताह के भीतर मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक की सहमति के लिए प्रस्ताव के साथ ऐसे संकल्प की एक प्रति और एक विवरण-पन्न भेजेगा, जिसमें निम्नलिखित विवरण दिये जायेंगे।	

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय परिनियमावती-2007 के भाग-03में उल्लिखित नियम 9 का उपनियम 9.2 का बिन्दु 4 उपरोक्तानुसार संशोधित हो जायेगा।

RVIII RFO TIO	वर्तमान नियम	प्रतिस्थापित नियम
01	भाग-3 पदोन्नित) नियमं-9 का सपनियम 9. 2 (ii) का बिन्दु 5 5. उपरोक्त खण्ड (4) के अधीन प्रस्ताव की प्राप्ति के दिनाक से एक माह के भीतर मण्डलीय अपर शिक्षा नियंशक उस पर अपना विनिश्चय प्रबन्धक की संसूचित करेगा। ऐसा न करने पर यह समझा जायेगा कि मण्डलीय अपर शिक्षा निदंशक ने प्रबन्ध समिति द्वारा पारित किए गए संकल्प पर अपनी सहमति दे दी है।	

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय परिनियमावली-2007 के भाग-03 में उल्लिखित नियम 9 का उपनियम 9.2 का बिन्दु 5 उपरोक्तानुसार संशोधित हो जायेगा।

(xix कं0 संo	वर्तमान नियम	प्रतिस्थापित नियम
01	(भाग-3 पदोन्नित) नियम-9 का उपनियम 9.2 (ii) का बिन्दु 6 6. जहाँ प्रबन्ध समिति उपरोक्त खण्ड (7) के अधीन मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक के विनश्चय से व्यथित हो वहां वह प्रबन्धक को ऐसे विनश्चय की संसूचना दिए जाने के दिनांक से दो सप्ताह के भीतर, उसके विरुद्ध निदेशक, विद्यालयी शिक्षा को जन्यावेदन कर सकती है जिसका विनश्चय उस	

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय परिनियमाढली-2007 के भाग-03 में उल्लिखित नियम 9 का उपनियम 9, 2 (ii) का बिन्दु 6 का उपरोक्तानुसार संशोधित हो आयेगा।

sho sho	वर्तमान नियम	प्रतिस्थापित नियम
सं0 01	परिशिष्ट "ख" संस्था को अध्यापक / प्रचान की नियुक्ति प्रारूप पर प्रतिलिधिः जिल्म शिक्षा अधिकारी	संस्था के आयापक / प्रधान की नियुक्ति प्रारूप पर प्रतिलिए — निदेशालय / जनपदीय सहायक निदेशक, संस्कृत शिक्षा,
	परिशिष्ट "ग" अनुभव प्रमाण-एत्र का प्रारूप में संस्था के अभिलेखों से सत्यापित हेतु हस्ताक्षर	

उत्तराखण्ड संरकृत विश्वविद्यालय परिनियमावली-2007 के भाग-03 में उत्लिखित परिशिष्ट ख एवं 'ग' उपरोक्तानुसार संशोधित हो जायेगें। 3 नियम—14 संस्कृत विद्यालय/महाविद्यालयों के प्रधानाचार्यों/अध्यापकों के मृतक आश्रितों को उत्तराखण्ड शिक्षा विमाग के सामान्य शिक्षा के विद्यालयों की मांति शासन द्वारा समय—समय पर दिये जाने वाले आदेशों के अनुसार लाभ प्रदान किया जायेगा।

संख्या ५.5 रूपरे(1) / XXIV-4 / 2008 तद्दिनाक । प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित –

1.	महालेखाकार उत्तराखण्ड देहरादून।
2.	निजी सचिव, माठ मुख्यमंत्री जी।
3.	निजी सचिव मा0 शिक्षा मंत्री जी।
4.	निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
5	समस्त प्रमुख सविव / सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
6.	समस्त विभागाध्यक्ष उत्तराखण्ड।
7	निदेशक, विद्यालयी / संस्कृत शिक्षा, उत्तराखण्ड।
8.	कलपति, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार।
9.	कुलपति, हे० न० बहुगुणा गढवाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर गढवाल।
10.	कलपति, कुनायुँ विश्वविद्यालय, नैनीताल।
11.	समस्त जिलाधिकारी / कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
12.	समस्त जिला शिक्षा अधिकारी, उत्तराखण्ड।
13.	सचिव उत्तराखण्ड संस्कृत अकादमी, हरिद्वार।
14.	उपनिदेशक, राजकीय मुद्रण एवं लेखन सामग्री, रूडकी, हरिद्वार उत्तराखण्ड को इस आशय से प्रेषित की वे कृषया उक्त आदेश को गजट के विघायी परिशिष्ट के भाग-04 के खण्ड 'ख' में मुद्रित कराने तथा इसकी तीन सी प्रतियाँ शासन को यथाशीध उपलब्ध
	कराने का कष्ट करें।
15	एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
16.	गार्ड फाइल।